को मिलती हैं, वे हमें भी मिलती हैं, वहां जो कार्यवाही करनी चाहिए थी वह शुरु की गई है वहां की पुलिस के साथ, डिपार्टमेंट आफ जस्टिस के साथ इसलिए यह कहना कि सरकार ने कुछ नहीं किया है समझता हूं कि ना-मुनासिब है ।

SHRI P. N. SUKUL: Mr. Chairman, my own daughter lives in New Jersey. She was here in India recently and she has gone back just this month. She said some similar incidents have been reported from outside New Jersey. So I would like to know from the honourable Minister if our Government has information that these activities are confined only to New Jersey or such incidents from outside New Jersey have also been reported.

SHRI K. NATWAR SINGH: These have been reported from a town in the State of New Jersey. We have not had any reports of similar nature from other parts of the United States. as far as I am aware, and we sincerely hope that these incidents will not recur. The report so far is confined to New Jersey City and the neighbourhood of New York.

MR. CHAIRMAN: They are conscious of the neighbourhood.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : सभापति जी, मैं समझता हूं कि सिर्फ न्यू जर्सी का ही सवाल नहीं है, कुछ वर्षों से भारत वंशियों के साथ कुछ आक्रमण हो रहे हैं और आक्रमण की घटनाएं इस प्रकार की हैं कि उनको वहां से भगाया जाए । यह षडयंत्र निश्चितपूर्वक योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है । अगर ऐसा नहीं होता तो दर्जनों घटनाओं का उल्लेख नहीं किया जाता । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां के भारतीय अपनी रक्षा कर सकते हैं, लड़ सकते हैं अगर भारत सरकार का स्ट्रांग समर्थन उनको प्राप्त हो । इसीलिए मैं आपसे जानना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी जब तक यह इंडिकेशन नहीं देते हैं कि भारत वंशियों की रक्षा के लिए हम हमेशा तत्पर रहेंगे, और जो विधिवत उनको सहायता चाहिए वह उनको मिलेगी, जब तक भारतवर्ष के प्रधान मंत्री स्वयं सदन में इस बात का उल्लेख नहीं करते, तब तक मैं समझता हूं कि उनकी पूरी तरह रक्षा नहीं हो सकेगी ।

श्री सभापति : डिप्लोमैटिक चैनल से जितना भी होना है, वह भारत सरकार कर रही है... **(व्यवधान)**

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : भारत वंशियों के बारे में मैंने पूछा है... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : वह वाजपेयी जी से आप समझ लीजिए सब । प्रश्न संख्या 324 ।

Defence Contracts with M/s. Marconi Group

324. SHRI SHANKER SINH VAGHELA:

SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that M/s. Marconi Group have been charged with some fraudulent deals in Britain while in India it has been given several defence contracts;

(b) whether it is also a fact that M/s. Marconi Group are avoiding field trials of their equipment in India; and

(c) the names and addresses of M/s. Marconi Group's agents/representatives in India involved in the above mentioned deals?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) The Ministry of Defence, UK,

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Pramod Mahajan.

have initiated certain investigations against certain firms of the Marconi Group. The enquiries are ongoing and no charges have as yet been framed. The Ministry of Defence, UK, continue to do business with companies of the Group. No contract has been awarded to any firm of the Marconi Group since learning of the initiation of the aforesaid enquiries.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, मारकोनी समूह के विरुद्ध ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय धोखाधड़ी के आरोप में जांच कर रहा है । बोफोर्स की खरीदी गयी तोपों में फायर कंट्रोल कम्प्यूटर का हिस्सा इसी बदनाम मारकोनी उद्योग समूह से आता है । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि बोफोर्स के कुल सौदे में मारकोनी समूह का कितना हिस्सा है और इस समूह को हमारे रक्षा मंत्रालय की ओर से कितने रुपयों का ठेका दिया गया है ? तथा क्या हम केवल ब्रिटिश मंत्रालय की जांच पर निर्भर रहेंगे या अपनी उनके खिलाफ कोई स्वतंत्र रूप से अलग जांच करेंगे ?

रक्षा मंत्री (श्री के० सी० पंत) : सभापति जी, इसकी पृष्ठभूमि में जरा बता दूं । एक पत्र मेरे पास आया था जिसमें किसी ने क्लिपिंग भेजी थी कि मारकोनी कम्पनी के खिलाफ मिनिस्ट्री आफ डिफेंस इंगलैंड इंक्वायरी कर रहा है तो मैंने अपने हाई कमीशन से पूछा । उन्होंने सूचना दी कि कोई इंक्वायरी चल रही है और बाद में उन्होंने एक और पत्र लिखा जिससे पता चलता है कि इंक्वायरी चल रही है इसलिए कि उन्होंने मारकोनी को मिनिस्ट्री आफ डिफेंस, इंगलैंड में रिसर्च के लिए पैसा दिया था । उसके लिए उन्होंने कुछ इक्यूपमेंट मिनिस्ट्री आफ डिफेंस को बेचे थे और उसमें उसने मुनाफा ज्यादा लिया था । इन दो प्रश्नों पर इंक्वायरी चल रही है । लेकिन हमें बताया यह गया है कि उनके साथ जैसे पहले उनसे खरीद कर रहे थे या प्रोत्साहन उनको दे रहे थे या रिसर्च उनके साथ चल रहा था उसी तरह से आज भी मिनिस्ट्री आफ डिफेंस कर रहा है । इंगलैंड गवर्नमेंट ने मारकोनी के खिलाफ इंक्वायरी भी कर रखी है लेकिन अभी कुछ साबित नहीं हुआ है, अभी कुछ चार्ज नहीं लगा है, कोई प्रोसीक्यूशन नहीं हुआ है । वह उसी तरह से डीलिंग कर रहे हैं जैसे पहले कर रहे थे । इसलिए जो भी हमने उनसे खरीद-फरोख्त की उससे उनसे कोई वास्ता नहीं ।

श्री राम अवधेश सिंह : इनके दूसरे अंश का उत्तर नहीं आया कि बोफोर्स का कितना हिस्सा आपने उनसे खरीदा । **(व्यवधान)**

SHRI GHULAM RASOOL MATTO: For that a separate question is needed.

SHRI RAM AWADHESH SINGH: The second part of the question has not been replied.

MR. CHAIRMAN: The inquiry has started and no details can be given. If you read the answer, it says: "No contract has been awarded to any firm of the Marconi Group since learning of the initiation of the aforesaid enquiries."

श्री प्रमोद महाजन : सभापति महोदय, मैंने यह पूछा था कि यह धोखाधड़ी का आरोप है तो बोफोर्स सौदे में उनका कितना हिस्सा है यह नहीं बताया गया । **(व्यवधान)**

श्री के० सी० पंत : क्या यह सवाल बोफोर्स पर है सभापति जी ? **(व्यवधान)**

श्री प्रमोद महाजन : मारकोनी ग्रुप की ओर से जो...

श्री के० सी० पंत : मैंने आपका सवाल समझ लिया है । अगर आप ने इसी पर सवाल पूछा होता तो मैं आंकड़े ले आता । मुझे देने में क्या एतराज हो सकता था । अलग से नोटिस दीजिए फिर देखेंगे ।

श्री राम अवधेश सिंह : यह इसी से रिलेटिड सवाल है । इसमें अलग से नोटिस की जरूरत नहीं होनी चाहिए ।

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, मैंने प्रश्न यह पूछा है कि इन सौदों में भारत के अन्दर मारकोनी समूह के प्रतिनिधियों के नाम और पते क्या हैं ? सरकार ने उत्तर दिया है कि प्रश्न नहीं उठता । मैंने नाम पूछे हैं । यह "प्रश्न नहीं उठता" उत्तर पता नहीं क्यों दिया गया है ? मैं जानना चाहता हूं कि इस प्रकार का उत्तर क्यों दिया गया है ? यह तो हो सकता था कि उत्तर नहीं देना चाहते हों यह "प्रश्न नहीं उठता" समझ में नहीं आता है ।

श्री सभापति : शायद आपने सवाल पूरा पढ़ा नहीं है । इसमें लिखा है—

the names and addresses of M/s. Marconi Group's agents/representatives in India involved in the above mentioned deals. That finishes the whole thing. Your question was only for those who are involved in those deals. That answer has been given.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, अगर उत्तर आता कि कोई नहीं है तो बात समझ में आ सकती थी । लेकिन यह "प्रश्न नहीं उठता" समझ में नहीं आता है ।

श्री सभापति : यह सही उत्तर है, जो होना चाहिए वही है । "प्रश्न नहीं उठता" मेरी राय में ठीक है । आप अंग्रेजी का सवाल देख लीजिए । हिन्दी में शायद गलती हो सकती है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : श्रीमन, मैं थोड़ा अंग्रेजी भी जानता हूं... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : आप बहुत अच्छी अंग्रेजी जानते है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह सही है कि मैं विदेश में या देहरादून में पढ़ा हुआ नहीं हूं, लेकिन... (**व्यवधान**) ।

श्री सभापति : आप यह क्या मजाक करते हैं, यह विदेश का सवाल नहीं है

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : श्रीमन, यह भाषा का सवाल नहीं है । मारकोनी कम्पनी के साथ हमारा एक सुरक्षा का सौदा है, यह बात इसमें आए... (**व्यवधान**)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, I will repeat in English I asked the names.

श्री सभापति : नया कोई नहीं दिया है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह नये का सवाल नहीं है । सुरक्षा सौदे का कोई एजेन्ट है तो उसका नाम बतायें, नहीं तो कह दें कि नहीं हैं, यह सवाल पूछा है ।

श्री सभापति : मारकोनी सौदे में कोई एजेन्ट है ?

श्री के० सी० पंत : पहले वे अपना सवाल तो पूछ लें, फिर जवाब दे देंगे... (**व्यवधान**)

श्री प्रमोद महाजन : आपने अभी अंग्रेजी का महत्व बताया है, इसलिए अंग्रेजी में पूछ देता हूं ।

श्री सभापति : हिन्दी सब जानते हैं ।

SHRI PRAMOD MAHAJAN: Sir, I have asked the names and he says that this question does not arise. How does it not arise? I have specifically asked the name of the agent.

SHRI DIPEN GHOSH: He may not have the answer. (*Interruptions*).

AN HON. MEMBER: You first ask him the question and then I will ask the supplementary.

SHRI JAGESH DESAI: You see what the question is.

SHRI DIPEN GHOSH: He may not have the answer.

MR. CHAIRMAN: Now, let us not get involved in this. You want to know whether there was an agent in this agreement with Marconi. That is all.

SHRI K. C. PANT: Sir, if I say, his question was whether the British Government is inquiring into the Marconi Group for some fraudulent deals. He says, wheher it is also a fact

that the Marconi Group are avoiding field trials of their equipment in India. Then he wants to know the names and addresses of the Marconi Group's agents/representatives in India who are involved in the above-mentioned deals. Sir, a very specific pointed question has been asked and, therefore, the answer is, does not arise. (*Interruptions*).

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: I think he is misleading. The question is, whether there was an inquiry for that part answer is yes. But while the inquiry was going on about the fraudulent practices of this group of companies, the Indian Government has given contracts. That is the point.

MR. CHAIRMAN: No, Sir. They are saying No, Sir. No contract has been awarded to any firm of the Marconi Group since learning of the initiation of the aforesaid inquiry.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: "No" for what?

MR. CHAIRMAN: "No" for the question, as it was here.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: "No" is for field trials, not for the contracts given to this company by the Indian Government. And if that is so....

SHRI A. G. KULKARNI: Mr. Chairman, Sir, how is it that a question raised by Mr. Pramod Mahajan is being analysed and paraphrased by ... (*Interruptions*).

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: We are eliciting information. What do you mean? We are entitled for this. This is the property of the House; we are entitled for full information... (*Interruptions*).

SHRI V. GOPALSAMY: He has every right to put his supplementary.

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, you exert your authority; you cannot allow anybody else except the questioner... (*Interruptions*).

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: The question is the property of the House. We want only clear and full information... (*Interruptions*).

SHRI A. G. KULKARNI: For Heaven's sake, don't start new conventions.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : गुरुपदस्वामी आपसे बात कर रहे हैं तो कांग्रेस के मित्र बीच में क्यों दखल दे रहे हैं... (**व्यवधान**) बोफोर्स का नाम आते ही जे क्यों घबर. जाते हैं।

MR. CHAIRMAN: Will you please sit down?

SHRI A. G. KULKARNI: Sir, you can paraphrase and analyse but nobody else is entitled; don't start new conventions.. (*Interruptions*).

SHRI DIPEN GHOSH: Under the rules, we are entitled to raise it.

MR. CHAIRMAN: He is the person who put the question and he is putting his supplementary now. You are aware of the method; Mr. Kulkarni is an old Member. He was only drawing attention of us all. Now Mr. Mahajan is competent to put his own question and he can take care of it. I will allow others to put supplementaries after Mr. Mahajan has finished.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इन्होंने सवाल ... (**व्यवधान**)

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: You have to allow me also.

MR. CHAIRMAN: I will allow you and allow everybody.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : इन्होंने सवाल किया था, जब जवाब नहीं आया तब यह बखेड़ा खड़ा हुआ है। ... (**व्यवधान**) ...

श्री सभापति : महाजन भी बहुत बहादुर आदमी ... (**व्यवधा**) ..

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Are you permitting him, Sir? We can also make a similar demand.

श्री सभापति : यह हमारे बीच की बात है आप बीच में मत आइये । अटल बिहारी जी के बीच में किसी लेड़ी को आने की जरूरत नहीं है ।
...(**व्यवधान**)...

श्री मोर्जा इर्शादबेग : अभी तक नहीं आई हैं, मान्यवर । (**व्यवधान**)

श्री सभापति : यह जयन्ती जी खड़ी हो गई थी न इसलिए मैंने कहा (**व्यवधान**)

श्री मोर्जा इर्शादबेग : मान्यवर आपका आशीर्वाद होगा तो जरूर आ जाएगी ।

श्री सभापति : मैं तो बहुत दिनों से कह रहा हूं । आप लोग मदद नहीं कर रहे हैं । आप लोग मदद करें तो कुछ हो
...(**व्यवधान**)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: I am not talking....

MR. CHAIRMAN: Jayanthi, please. I cannot permit Jayanthi Natarajan to come in the way. Believe me, all my sympathies are with you, Mr. Vajpayee. I am with you hundred per cent. (*Interruptions*).

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: She was not referring to me. She was referring to Mr. Gurupadaswamy. (*Interruptions*).

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, मैं फिर से दोहराना चाहूंगा । क्या मारकोनी ग्रुप का हिन्दुस्तान में कोई आज प्रतिनिधि है । अगर आज नहीं है तो क्या इसके पहले कोई प्रतिनिधि था, उसका निकाला गया तो कब से निकाला गया, क्या कलकत्ता की जिस फर्म की चर्चा दो दिन पूर्व संसद में हुई वह इसके एजेंट थे और यदि थे तो उनको वाईडिंग अप चार्जिज कितने दिए गए हैं ?

श्री के० सी० पंत : संसद में किस बहस की बात कर रहे हैं ?

श्री प्रमोद महाजन : दो दिन पूर्व जो कलकत्ता की एम० डब्ल्यू० सी० कंपनी की बात हुई ।

श्री के० सी० पंत : मैंने तो कोई जवाब इसके सिलसिले में नहीं दिया । (**व्यवधान**)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : आपकी सरकार ने दिया है । (**व्यवधान**)

श्री के० सी० पंत : अटल जी मुझे इसकी जानकारी नहीं है इसलिए मैंने कहा । तो मैं फिर से यह दोहराऊं कि जो यह सवाल था और जो जवाब दिया बड़ा स्पष्ट है । इसमें यह है कि whether it is a fact that M/s. Marconi Group have been charged with some fraudulent deals in Britain while in India it has been given several defence contracts. (*Interruptions*).

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जवाब नहीं दे रहे हैं, टालमटोल कर रहे हैं ।

श्री के० सी० पंत : अटल जी आप मेरे साथ बहुत अन्याय कर रहे हैं । जब वे सवाल दोहरा रहे हैं तो मैं जवाब नहीं दोहराऊंगा तो क्या करूंगा ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : वह सवाल इसलिए दोहरा रहे हैं कि सवाल प्रसंगिक है । आप जो जवाब दोहरा रहे हैं वह अप्रासंगिक है ।

श्री के० सी० पंत : जी नहीं, यह सही बात नहीं है । बिलकुल प्रसंग की बात है । उन्होंने जो सवाल किया है, यहां भी कहा है :

the names and addresses of M/s. Marconi Group's agents/representatives in India involved in the ..(*Interruptions*).

आप उनकी मदद क्यों कर रहे हैं । वह तो बहुत अच्छा सवाल कर रहे हैं । आप उनसे सीखिए अच्छा सवाल करना । तो मैं यह कह रहा था कि इसमें यह पूछा

था क्योंकि गलतफहमी अटल जी के दिमाग में कम से कम नहीं रहनी चाहिए उन्होंने यह पूछा है मारकोनी के खिलाफ जब इन्क्वायरी चल रही है वहां दूसरी तरफ आप हिन्दुस्तान में उनके साथ कोई डिफेंस कंट्रेक्ट कर रहे हैं । यह सवाल है एक तरफ वहां इन्क्वायरी चल रही है एक तरफ आप यहां कंट्रेक्ट कर रहे हैं इसमें मैंने कहा है कि ऐसा नहीं हुआ ।

No contract has been awarded to any firm of the Marconi Group since learning of the initiation of the aforesaid inquiry.

यह मैंने नहीं कहा है कि मारकोनी से हमारा कोई कंट्रेक्ट नहीं हुआ यह नहीं कहा है इन्होंने चूंकि सवाल में इन दो चीजों को जोड़ा है इसलिए जवाब में दो चीजों को जोड़ा है कि वहां इन्क्वायरी चल रही है और जब से इन्क्वायरी की सूचना हमें मिली है कोई कंट्रेक्ट हमने नहीं किया है । अब इन्होंने लिखा है इन दी अबव डील्ज कोन से एजंट थे, इसलिए मैंने कहा कि यह उस में से अराइज नहीं करता । मैं कम से कम अटल जी से यह आशा रखता हूं कि वह इस प्रश्न को भी समझेंगे और उत्तर को भी समझेंगे । इसमें कोई यह कोशिश नहीं की गई कि कोई चीज छिपाई जाए ।

श्री एन० के० पी० साल्वे : यह समझ तो रहे है लेकिन यह जतलाना चाहते हैं नहीं समझ रहे हैं ।

श्री के० सी० पंत : अब यह पूछ रहे हैं कि इस वक्त कोई मारकोनी का एजेंट है या नहीं मैं यह बताना चाहता हूं कि पिछले दो साल में दो कंट्रेक्टस हुए हैं । एक तो हरमीत ई० एस० एम० के साथ नेवी के लिए कंट्रेक्ट 6 नवम्बर, 1986 को हुआ और दूसरा वायुसेना के लिए 1 अक्टूबर, 1987 को हुआ । मैंने पूछा था कि इसमें कोई मिडलमैन था या एजेंट था तो मुझे यह सूचना मिली कि इसमें कोई एजेंट बीच वाला नहीं था ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Transfer of Blocking of Telecommunication Technology

*322. SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Government of Japan have blocked the transfer of two major telecommunication technologies and rejected the proposed sale of a vital electronic capital equipment as a part of its temporary embargo on the sale of "dual use" technologies to India; and

(b) if so, the steps proposed to be taken by Government to persuade Japan to lift the embargo?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) and (b) Government are not aware of any embargo. However, procedural delays have occurred in the clearance of exports from Japan of certain telecommunication technologies and electronic equipment for India. This has been taken up with the Japanese Government and efforts to expedite decisions have been made and are continuing.

Demolition of Military Barracks in Ahmednagar

*325. SHRI PRAMOD MAHAJAN : Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Military barracks in Ahmednagar Fort (Maharashtra), where Pt. Jawaharlal Nehru and other freedom fighters were detained during the freedom movement were demolished recently;